अनन्य

'हिंदी की नयी उड़ान'

'अनन्य विश्व' एक स्वप्न है दुनिया के हर देश में हिंदी का छोटा सा बीज बोने का ।

यह बीज एक स्थानीय मासिक पत्रिका के रूप में शुरू होगा और कालांतर में इस बीज से पल्लवित वृक्ष में उस देश की कला, संस्कृति, प्रवासी साहित्य, अनुवाद, स्थानीय अनुभव, त्योहार और अन्य आयामों की हरित शाखाओं का विकास हो सकेगा - यह हमारा दूरगामी स्वप्न है। अनन्य का मंच इन सब स्थानीय प्रयासों को एक वैश्विक प्रांगण देगा - यह हमारा विश्वास है।

हमारी इस यात्रा में अभी तक ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, रूस, सिंगापूर और यू॰ए॰ई॰ हमारे साथ जुड़ चुके हैं, हमारी आशा है कि धीरे-धीरे हम नए देशों को अपने साथ जोड़ते जाएँगे।

हमें ख़ुशी है कि हमारे इस प्रयास में न्यूयॉर्क स्थित भारत का कौंसलावास हमारे साथ है और हम उनके आभारी हैं।

आप का स्नेह और सहयोग हमें ऊर्जा देगा। आप ही हमारी अनन्य शक्ति हैं!

अनूप भार्गव
प्रधान संपादक - अनन्य पत्रिका